भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, सितम्बर, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

विरोधियों के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने के प्रयास सराहनीय होंगे। अनासास किसी चिर–परिचित मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। पठन–पाठन कार्यक्रम मे कठिनाइयां आ सकती हैं। दौड़धूप और व्यस्तता के प्रसंग आपको व्याकुल कर सकते हैं। जीवन साथी के साथ तालमेल स्थापित करने मे कठिनाइयां आयेंगी। मित्रों सहयोगियों का विपरीत परिस्थितियों मे सहयोग प्राप्त होगा। माह का दूसरा सप्ताह व्यापार की दृष्टि से अच्छा है। तारीख 6, 7, 8, 9, 10 उत्तम है। अरिष्ट निवारण हेतु ऊँ उग्ररुपाय नमः मंत्र का जप करना हितकर है।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 सितम्बर

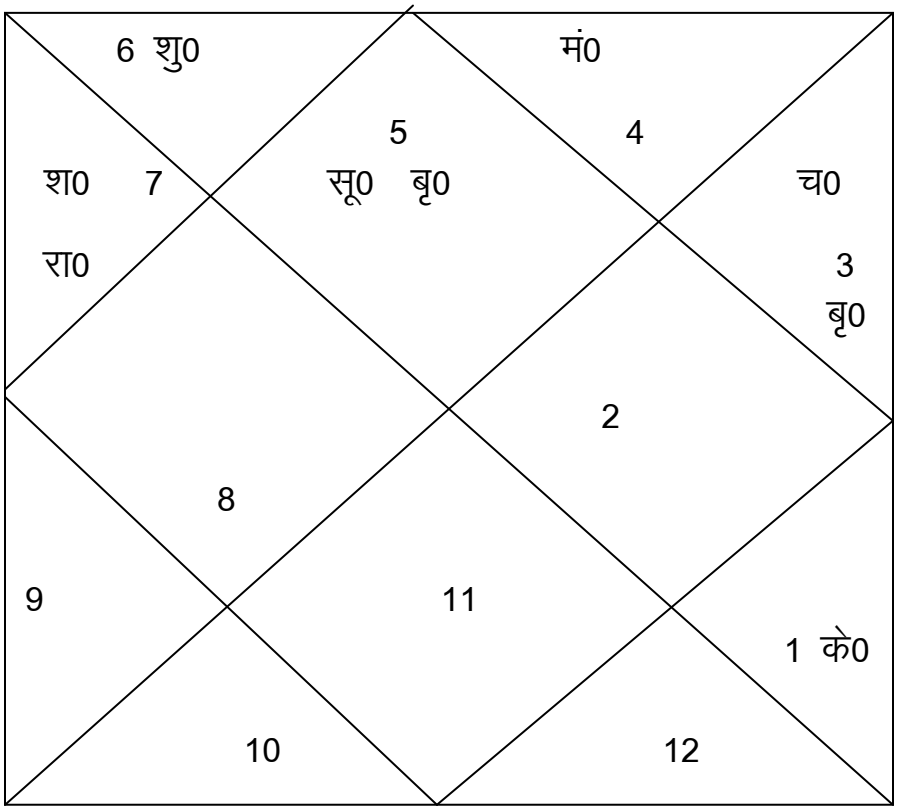

वृषः— ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

आपका सौम्य शिष्ट व्यवहार कुटुम्ब के सदस्यों को प्रभावित करेगा। मनोरंजन की दिशा मे किये गये प्रयास आपेक्षित सफलता का वातावरण निर्मित करेंगे। संतान पक्ष की तरफ से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। शासन–प्रशासन सम्बन्धी कामकाज मे आपकी संलग्नता लाभदायक मार्ग की ओर अग्रसर होगी। व्यय की अपेक्षाकृत आय की अधिकता प्रतीत होगी। दाम्पत्य जीवन आंशिक कठिनाइयों के साथ चलता फिरता प्रतीत होगा। राजकीय कार्यों के सिलसिले मे यात्रा भी संभावित है। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये अदरक बहते हुये जल मे प्रवाहित करें, लाभ प्राप्त होगा।

मिथुनः— का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा

भोजन व्यवस्था का विस्तार होगा। चुगुलखोरी की आदतों पर अनियन्त्रण तकलीफदेय साबित हो सकती है। परिजनो के साथ वाद–विवाद की स्थिति मे स्वयं का शान्त रहना हितकर सिद्ध होगा। लाभ और खर्च के बीच का असंतुलन लगातार बड़ता प्रतीत हो सकता है। सामाजिक संरचना निर्माण कार्यों मे आपकी संलग्नता ख्याति वृद्धि के सुअवसर उपलब्ध करायेगी। घर ग्रहस्थी सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। विधिक सेवाओं मे आप लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। उत्पादन सम्बन्धी क्रिया–कलापो से लाभप्रद स्थितियां निर्मित होंगी। माह का प्रथम सप्ताह स्वास्थ्य और शिक्षा के लिये बेहतर है। तारीख 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, 14 शुभकारक है। अरिष्ट निवारण के लिये छोटे बच्चों को हरे रंग का पेन दान करना हितकर है।

कर्कः— ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

वाद–विवाद भय की स्थिति मे आंशिक कमी का वातावरण बनेगा। खान–पान में तरल पदार्थों के साथ मिष्ठान का भी प्रयोग अधिकाधिक होगा। शिक्षा के क्षेत्र मे खासकर उच्च शिक्षा से जुड़ी गतिविधियां लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होगी। माह का प्रथम सप्ताह कुटुम्ब के सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल बनाने के दृष्टिकोण से बेहतर है। अनायास राज्यधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। दूसरे सप्ताह मे व्यवसायिक कार्य योजनाओं को गतिशील बनाने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 13, 14 उन्नतिसूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये 125 ग्राम से अधिक मिश्री छोटी कन्याओं को दान करना उचित रहेगा।

सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

आय और व्यय के असंतुलन के कारण मन मलीन रहेगा। धार्मिक, अध्यात्मिक क्रिया–कलापों मे आपकी संलग्नता बरकरार रहेगी। लाभ स्थान मे बृहस्पति इस माह मे किसी अध्यात्मिक आयोजन मे आपकी भागीदारी की ओर संकेत करते है। अनैतिक व्यक्तियों का साथ आपके लिये घातक सिद्ध हो सकता है। अनायास निर्णय लेने की आदतों से इस माह अपने आपको बचाये रखना हितकर सिद्ध होगा। जीवन साथी के साथ वाद–विवाद भय की स्थितियां आयेंगी। बातचीत मे सौम्यता और निपुणता के कारण परिजनो से तालमेल बना रहेगा। माह का तीसरा सप्ताह क्रय–विक्रय कार्यों के लिये बेहतर है। तारीख 4, 5, 6, 8, 9, 10, 15, 16, 17 प्रगति सूचक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये 11 किलो गेहूँ सुयोग्य पात्र को दान करें। लाभ मिलेगा।

कन्याः— टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

किसी भजन संध्या मे आपकी उपस्थिति प्रसंसा पथ की ओर अग्रसर होगी। लाभ और खर्च के मध्य बेहतर तालमेल स्थापित करने के प्रयास सफल होंगे। अनायास एकत्रित हो रही यात्रायें शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का वातावरण बना सकती है। माह का दूसरा सप्ताह शिक्षा के क्षेत्र मे नवीन अवसर उपलब्ध करायेगा। रोजी, रोजगार की दिशा मे किये गये प्रयासों से लाभदायक स्थिति निर्मित होगी। स्त्री वर्ग से विशेष लाभ प्राप्त करने मे सफलता अर्जित करेंगे। शनि और केतु मे षठाष्टक योग के चलते परिजनों से मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। उपहार लाभ प्राप्त होने की परिस्थितियां भी निर्मित होंगी। तारीख 6, 7, 8, 11, 12, 17, 18, 19 शुभकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये माँ भगवती के साथ स्त्री सूक्त का पाठ करना उत्तम प्रतीत होगा।

तुलाः— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का सरलता से समाधान होगा। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। तरल पदार्थों से सम्बन्धित व्यापारिक मामलो मे लाभदायक स्थिति निर्मित होगी। कैरियर से जुड़ी गतिविधियों के लिये माह का पहला सप्ताह अति उत्तम प्रतीत होगा। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित होंगे। स्त्रीपक्ष की कार्यशैली के चलते मानसिक तनाव का वातावरण बन सकता है। ईश्वर अराधना मे पूर्ण रुपेण आस्था रहेगी। साझेदारी से जुड़े व्यापार मे सावधान रहना उत्तम होगा। तारीख 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 प्रगति सूचक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण हेतु चित्राम्बर वस्त्र, सफेद चन्दन का दान करना हितकर होगा।

वृश्चिकः— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

किसी गीत संगीत नृत्य आदि के कार्यक्रम मे आपकी उपस्थिति अनिवार्य होगी। कर्मयोगी की तरह राजद्वारीय मामलो मे डटे रहें लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। धार्मिकता अधार्मिक मानसिकता की ओर परिवर्तित होगी। आपके अनायास निर्णय लेने की आदत के कारण परिजनो से वैचारिक मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ग्रहस्थ आश्रम के अनुभव बेहद सामान्य प्रतीत होंगे। लेखन के क्षेत्र मे गम्भीर से गम्भीर विषय पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी। अनचाही यात्रायें शारीरिक एवं मानसिक तनाव का वातावरण बनायेंगी। व्यवसायिक योजनाओं मे कठिनाइयां आयेगी। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12 उत्तम सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये लाल चंदन की माला और देशी घी सुयोग्य पात्र को दान करें। लाभ होगा।

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

जीवन संगिनी के साथ तीखी मीठी झड़प का सामना करना पड़ सकता है। सप्तम बृहस्पति व्यवसायिक क्रिया—कलापों को गतिशील बनाने मे मददगार सिद्ध होगा। खान—पान मे सादगी भरा भोजन ही रुचिकर प्रतीत होगा। माह का प्रथम सप्ताह दौड़ धूप और व्यस्तता की भेंट चड़ेगा। दूसरे सप्ताह मे वित्तीय मामलो मे लाभदायक स्थितियां निर्मित होंगी। महिला मित्र मन्डली आशानुकूल सहयोग कर सकती है। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। अनायास शिक्षित वर्ग का सहयोग जुटाने मे सफल सिद्ध होंगे। आस्तिकता नास्तिकता पथ की ओर परिवर्तित होगी। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 12, 13, 14 प्रगति कारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिए पीली सरसो, चने की दाल सामर्थ्य के अनुसार दान करें लाभ मिलेगा।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

माह के प्रथम सप्ताह मे घर ग्रहस्थी की समस्याओं मे कमी आती प्रतीत होगी। आपके सरल स्वभाव के कारण शत्रुओं की संख्या लगातार बड़ती दिखाई देगी। भगवान भक्ति का पथ सबसे सुन्दर प्रतीत होगा। कर्म स्थान मे उच्च राशि का शनि जीविका मामलो को धीरे–धीरे गतिशील बनायेंगा। एकत्रित यात्रा प्रकरण मिश्रित लाभमार्ग की ओर अग्रसर होंगे। देवी मां की अराधना से आपका पूरा माह ओत–प्रोत रहेगा। क्रय–विक्रय कार्यों मे किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाना हितकर होगा। आय और वयय मे किसी तरह सन्तुलन स्थापित करने मे सफल होंगे। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12 उन्नति सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ सूर्य पुत्राय नमः मन्त्र का जप करना उत्तम प्रतीत होगा। लाभान्वित रहेंगे।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

सतांन पक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। हास–परिहास की परिस्थितियां निर्मित होती प्रतीत होंगी। आमोद–प्रमोद के संसाधन जुटाने के प्रयास लाभदायक स्थिति की ओर अग्रसर होंगे। संतान पक्ष की अप्रिय बातचीत से आप मर्माहत भी हो सकते हैं। अष्टम भाव मे शुक्र पराजय को जय मे परिवर्तित करने का कारण बनेगा। रक्त विकार, चोट, चपेट की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। परिवारिक मामलो मे सोच समझकर निर्णय लेना हितकर होगा। धार्मिक यात्रा के सुअवसर आयेंगे। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 11, 12 उत्तम कारक प्रतीत होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये पाँच फल, गुड़ दान करना हितकर होगा। लाभ मिलेगा।

मीनः— दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। इस माह ग्रहस्थ जीवन की गाड़ी बेहतर ढंग से चलेगी। सौन्दर्य प्रसाधन सम्बन्धी व्यापार के क्षेत्र मे प्रगतिशील स्थितियों का निर्माण होगा। कुटुम्ब के सदस्यों से सोच समझकर बात करना हितकर सिद्ध होगा। यातायात के साधनो के प्रयोग मे सतर्कता बरतना उत्तम प्रतीत होगा। माह का प्रथम सप्ताह व्यवसाय के लिये बेहतर है। द्वितीय सप्ताह मे वितीय कार्ययोजनाओं मे प्रगति हो सकती है। रोटी रोटी की दिशा मे द्वितीय सप्ताह हितकर सिद्ध होगा। संतान पक्ष का स्वास्थ्य भी शिथिल रहेगा। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 14 शुभप्रद सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये धार्मिक पुस्तक और पीले वस्त्र सुयोग्य पात्र को दान करें। लाभान्वित होंगे।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः—

1. जया एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम्, 01 सितम्बर, रविवार।
2. सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 02 सितम्बर, सोमवार।
3. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, कुशोत्पाटनी अमावस्या, शिक्षक दिवस, 05 सितम्बर, गुरुवार।
4. हरितालिका तीज व्रत तृतीया, मन्वादि तृतीया बाराह अवतार तृतीया, 08 सितम्बर, रविवार।
5. वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, गणेशोत्सव (महाराष्ट्र), 09 सितम्बर, सोमवार।
6. ऋषि पंचमी, रक्षा पंचमी (बंगाल) सांवत्सरी पंचमी (जैन), 10 सितम्बर, मंगलवार।
7. सूर्य षष्ठी व्रतम्, लोलार्क षष्ठी, ललिता षष्ठी, 11 सितम्बर, बुधवार।
8. मुक्ता भरण सप्तमी, संतान सप्तमी, अपराजिता सप्तमी, 12 सितम्बर, गुरुवार।
9. राधा अष्टमी, महानन्दा नवमी, श्री चन्द जयन्ती, 13 सितम्बर, शुक्रवार।
10. पदमा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम, कर्मा एकादशी (झारखन्ड) डोल ग्यारस, 15 सितम्बर, रविवार।

11. भौम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, पंचक आरम्भ, 17 सितम्बर, मंगलवार।
12. अनन्त चतुर्दशी व्रत की पूर्णिमा, 18 सितम्बर, बुधवार।
13. स्नान दान की पूर्णिमा, लोकपाल पूजा पूर्णिमा, इन्दुला पूर्णिमा, उमा महेश्वर व्रत, महालयारम्भः, 19 सितम्बर, बृहस्पतिवार।
14. अशून्य शयन द्वितीया व्रतम्, प्रतिपदा श्राद्ध, पितृ पक्षारम्भः, फसली सन् 1421 प्रारम्भ, 20 सितम्बर, शुक्रवार।
15. श्री सकंष्ठी गणेश चतुर्थी, व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 07 बजकर 48 मिनट पर, 22 सितम्बर, रविवार।
16. सप्तमी श्राद्ध महालक्ष्मी अष्टमी व्रतम्, 26 सितम्बर, बृहस्पतिवार।
17. अष्टमी श्राद्ध, जीवत्पुत्रिका अष्टमी व्रतम्, गया मध्याष्टमी, 27 सितम्बर, शुक्रवार।
18. मातृ नवमी, मातामह श्राद्ध, नवमी श्राद्ध, 28 सितम्बर, शनिवार।
19. इन्दिरा एकादशी व्रतम् (स्मर्तानाम), एकादशी श्राद्ध, 30 सितम्बर, सोमवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in